आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 315 | उज्जैन, रविवार 05 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने प्रतिबद्ध है राज्य सरकार-मुख्यमंत्री

विशेष ग्राम सभाओं ने 4 हजार से ज्यादा विलेज एक्शन प्लान का अनुमोदन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय बहुल जिलों में ग्राम सभाओं को अपने गांव के विकास का रोडमैप तैयार करने सक्षम बनाया जा रहा है। राज्य सरकार ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में जनजातीय बहुल गांवों में आदि सेवा पर्व पर दो अक्टूबर को हुई विशेष ग्राम सभाओं ने आपसी विचार-विर्मश कर 4 हजार से ज्यादा विलेज एक्शन प्लान का अनुमोदन किया। शेष ग्राम सभाएं जल्द ही विलेज एक्शन प्लान बनाने की प्रक्रियाएं पूरी करेंगी।

विलेज एक्शन प्लान के लिए 30 जनजातीय बहुल जिलों के लिए अधिकारियों के कार्य दल बनाए गए थे। अधिकारियों की टीम गांव में पहुंची और ग्राम सभाओं में उपस्थित होकर आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत आदि सेवा पर्व के महत्व को समझाया। ग्राम सभाओं ने जनजाति ग्राम विजन 2030 के लिए ग्राम विशेष एक्शन प्लान का अनुमोदन किया। साथ में यह भी संकल्प लिया कि प्रत्येक गांव में एक आदि सेवा केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह सेवा केंद्र एकल खिड़की नागरिक सेवा केंद्र की तरह काम करेगा। इसके माध्यम से स्थानीय लोग आदि सेवा समय, स्वैच्छिक सेवा के अंतर्गत सप्ताह में एक घंटा अपना योगदान करेंगे। सरकारी अधिकारियों को जनजातीय समुदाय की मूल भाषा, बोलियों और संस्कृति से भी जोड़ेंगे।

उल्लेखनीय की जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान प्रारंभ किया गया है। यह देश में जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए ऐतिहासिक पहल है। इसका उद्देश्य जनजातीय क्षेत्र में ग्राम स्तर पर नेतृत्व क्षमता का विकास करना, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना और शासन-प्रशासन को और अधिक उत्तरदायी बनाना है।

यह अभियान सेवा, संकल्प और समर्पण जैसे मूल्यों पर केन्द्रित है, जो जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ऑनलाइन गेम का जाल और फंस रहे मासूम बच्चे, इन तरीकों से अपराधी बना रहे बच्चों को निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपनी 13 साल की बेटी से जुड़ा एक डरावना वाकया साझा किया है। इस घटना के जरिए उन्होंने यह बताया कि किस तरह आजकल बच्चे ऑनलाइन गेम खेलते-खेलते साइबर अपराधियों के जाल में फंस सकते हैं। अक्षय ने यह अनुभव मुंबई में आयोजित Cyber Awareness Month 2025 के उद्घाटन समारोह में सुनाया।

अक्षय ने बताया कि कुछ महीने पहले उनकी बेटी ऑनलाइन मल्टीप्लेयर गेम खेल रही थी। तभी उसे एक अनजान व्यक्ति का मैसेज आया कि तुम लड़का हो या लड़की? इस पर अक्षय की बेटी ने जवाब दिया लड़की। इसके बाद उस शख्स ने उससे कहा कि क्या तुम अपनी न्यूड तस्वीरें भेज सकती हो?

अक्षय कुमार की महाराष्ट्र सरकार से अपील- अक्षय ने कहा कि शुक्र है कि बेटी ने तुरंत गेम बंद कर दिया और अपनी मां ट्विंकल खन्ना को यह बात बताई। अभिनेता ने कहा, यहीं से साइबर क्राइम शुरू होता है।

इस घटना के बाद अक्षय कुमार ने महाराष्ट्र सरकार से खास अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य के हर स्कूल में 7वीं से 10वीं कक्षा तक हर हफ्ते एक पीरियड साइबर पीरियड के नाम से होना चाहिए।

करोड़पति संन्यासी! बिजनेस छोड़ साधु बनने की राह पर निकले 3 जैन श्रावक, उदयपुर में लेंगे दीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के उदयपुर में आचार्य पुण्य सागर महाराज के चातुर्मास के दौरान तीन जैन श्रावक करोड़ों का कारोबार छोड़कर संन्यास जीवन अपनाने जा रहे हैं। इनमें फरीदाबाद के बिजनेसमैन आदर्श कुमार जैन, मुंबई के अरविंद कोटड़िया और उदयपुर मूल के देवीलाल भोरावत शामिल हैं।

जैन समाज के अनुसार, तीनों दीक्षार्थियों का दीक्षा समारोह चातुर्मास का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं शामिल होंगे। शनिवार को विद्या निकेतन स्कूल, सेक्टर-4 में भव्य दीक्षा समारोह होगा।

आदर्श कुमार जैन- 68 वर्षीय आदर्श कुमार जैन फरीदाबाद में पेपर मिल के स्पेयर पार्ट्स का कारोबार कर रहे थे। रूड़की यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने के बाद एस्कॉर्ट लिमिटेड में नौकरी की, फिर खुद का बिजनेस शुरू किया। उनका सालाना टर्नओवर लगभग 3 करोड़ रुपये था। उन्होंने बताया कि धर्म में मन अधिक लगता था, इसलिए दीक्षा लेने का निर्णय किया।

अब बात करने को कुछ नहीं, हथियार डालने ही होंगे, अमित शाह की नक्सलियों को अंतिम चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहे। राज्य के बस्तर में अमित शाह ने मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने बस्तर ज़िले के मुख्यालय जगदलपुर में बस्तर दशहरा लोकोत्सव और स्वदेशी मेला को संबोधित भी किया, जहां से उन्होंने नक्सलियों को आखिरी चेतावनी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने स्पष्ट किया कि नक्सलियों को अब हथियार डालने ही होंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खतरे को अलविदा कहने के लिए 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई है।

अब बात करने के लिए कुछ बचा ही कहां है- अमित शाह ने स्पष्ट किया कि नक्सलियों के साथ बातचीत की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की लाभदायक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति को स्वीकार करने के बाद उन्हें (नक्सली) हथियार डालने होंगे। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने (नक्सलियों से) बातचीत का आह्वान किया है। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर दूं कि छत्तीसगढ़ और केंद्र सरकार, दोनों ही बस्तर और सभी नक्सल प्रभावित इलाकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब बात करने की क्या बात है? एक आकर्षक आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति लागू की गई है। आगे आइए और अपने हथियार डाल दीजिए।

शांति भंग करने वालों को मिलेगा करारा जवाब- अमित शाह ने चेतावनी देते हुए कहा कि हथियारों के बल पर बस्तर की शांति भंग करने वालों को सुरक्षा बल करारा जवाब देंगे। शाह ने का कि दिल्ली में कुछ लोग वर्षों से यह गलत सूचना फैलाते रहे हैं कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई के लिए हुआ था।

भीषण सड़क हादसे में नागपुर के कपल की मौत, 3 बच्चे अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूरोप घूमने गया एक भारतीय कपल भीषण हादसे का शिकार हो गया है। इस हादसे में कपल की मौत हो गई और उनके तीन बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। इटली में भारतीय दूतावास ने दंपति की मौत की पुष्टि की है।

मृतक की पहचान 55 वर्षीय जावेद अख्तर और 47 वर्षीय नादिरा गुलशन के रूप में हुई है। दोनों महाराष्ट्र के नागपुर से हैं। नागपुर में उनका गुलशन प्लाजा नाम से आलीशान होटल भी मौजूद है।

तीनों बच्चे अस्पताल में भर्ती- जावेद और नादिरा अपने 3 बच्चों के साथ यूरोप में छुट्टियां मनाने गए थे। 22 सितंबर को उन्होंने फ्रांस से अपने सफर की शुरुआत की थी। इस ट्रिप में उनके तीन बच्चे 21 वर्षीय बेटी आरजू अख्तर, शिफा अख्तर और बेटा जाजेल अख्तर भी साथ थे।

कैसे हुआ हादसा- यह भीषण सड़क हादसा एक वैन और मिनी बस की टक्कर से हुआ। मिनी बस में जावेद अपनी परिवार के साथ मौजूद थे। साथ ही इस बस में एशियाई मूल के कई पर्यटक भी सवार थे। इटली में एक वैन ने मिनी बस को जोरदार टक्कर मारी, जिसमें जावेद और नादिर समेत ड्राइवर की भी मौत हो गई।

कपल की बड़ी बेटी आरजू के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। आरजू की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं, उनके दो अन्य बच्चे शिफा और जाजेल का भी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

केरल में 16 साल की सबरी ने रचा इतिहास, कथकली करने वाली पहली मुस्लिम महिला बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 8 शास्त्रीय नृत्यों में शामिल कथकली केरल की पहचान है। वैसे तो यह नृत्य सदियों से चला आ रहा है, लेकिन हाल ही में केरल के कलामंडलम में कथकली की ऐतिहासिक परफॉर्मेंस देखने को मिली है। 16 साल की मुस्लिम लड़की ने कथकली पर डांस करके नया कीर्तिमान रच दिया है। 16 वर्षीय मुस्लिम लड़की का नाम सबरी है, जो इन दिनों मीडिया पर जमकर सूर्खियां बटोर रहीं हैं। सबरी ने केरल के कलामंडलम में गुरुवार को कथकली पर परफॉर्म किया।

इजरायल-गाजा पीस डील के लिए PM मोदी ने की ट्रंप की सराहना, बोले- भारत करेगा सहयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा में जारी शांति प्रयासों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने कहा कि गाजा में शांति प्रक्रिया निर्णायक दौर में है और बंधकों की रिहाई के संकेत एक महत्वपूर्ण कदम हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, हम गाजा में शांति प्रयासों में निर्णायक प्रगति के बीच राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व का स्वागत करते हैं। बंधकों की रिहाई के संकेत एक महत्वपूर्ण कदम हैं। भारत टिकाऊ और न्यायसंगत शांति की दिशा में सभी प्रयासों का दृढ़ता से समर्थन करता रहेगा।

प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय गाजा में संघर्ष विराम और मानवीय राहत को लेकर सक्रिय है। भारत लगातार इस बात पर जोर देता रहा है कि इजरायल-फिलिस्तीन विवाद का समाधान संवाद और शांतिपूर्ण वार्ता के जरिए ही संभव है।

इससे पहले भी पीएम मोदी ने इस पहल के लिए ट्रंप की सराहना की थी। उन्होंने कहा था, ''हम गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक योजना का स्वागत करते हैं। यह फलस्तीनी और इजराइली लोगों के साथ-साथ पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करता है। हमें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रंप की पहल पर एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने तथा शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।''

आपको बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक कहा है कि अगर हमास गाजा पट्टी के लिए प्रस्तावित शांति समझौते पर रविवार शाम छह बजे तक सहमत नहीं होता है, तो चरमपंथी समूह को और अधिक हमलों का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमास के साथ रविवार शाम छह बजे (वाशिंगटन डीसी के समयानुसार) तक समझौता हो जाना चाहिए।

उन्होंने लिखा, हर देश ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं! अगर समझौते के इस आखिरी मौके में सफलता नहीं मिलती है, तो हमास पर ऐसा कहर टूटेगा, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। पश्चिम एशिया में किसी न किसी तरह से शांति कायम की जाएगी।

ट्रंप ने इस हफ्ते की शुरुआत में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हुई बातचीत के बाद गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के लिए एक योजना पेश की थी।

ट्रंप के गाजा पीस प्लान पर इजरायल ने फेरा पानी, गाजा में धुआंधार अटैक में गई 6 लोगों की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप जोर-शोर से इजरायल और हमास का युद्ध रुकवाने की कोशिशों में लगे हैं। रविवार को ट्रंप ने गाजा में बमबारी रोकने के आदेश दिए थे। मगर, इसी बीच इजरायल ने एक बार फिर गाजा पर हमला बोल दिया है। इस हमले में 6 लोगों की मौत हो गई है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, इजरायल ने गाजा पर फिर से एयर स्ट्राइक की। इस दौरान गाजा सिटी में 4 लोगों की मौत हो गई और खान यूनिस में 2 लोगों की जान चली गई।

ट्रंप के आदेश पर इजरायल की सहमति- इजरायल ने शनिवार को ट्रंप के गाजा प्लान का पहला चरण लागू करने के आदेश दिए थे। इस दौरान इजरायली सरकार ने सेना को गाजा में नरमी बरतने और सैन्य गतिविधियों को कम करने के लिए कहा गया था। इजरायली सेना के चीफ ने भी इसकी पुष्टि की थी, लेकिन उन्होंने सैन्य गतिविधियों पर चुप्पी साध रखी थी।

ट्रंप ने हमास को दिया 2 दिन का समय- डोनल्ड ट्रंप ने गाजा पर 20 पॉइंट प्लान पेश करते हुए हमास को 2 दिन यानी रविवार तक का समय दिया है। ट्रंप का मानना है कि सिर्फ वही गाजा में शांति स्थापित कर सकते हैं।

ट्रंप के अनुसार, हमास भी शांति चाहता है। इजरायल को गाजा में बमबारी बंद कर देनी चाहिए, जिससे सभी बंदियों को सुरक्षित और जल्द से जल्द वापस भेजा जा सकेगा। हम इसपर बातचीत कर रहे हैं। यह सिर्फ गाजा के लिए नहीं हैं, बल्कि मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने के लिए भी है।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय का कहना था, युद्ध खत्म करने के लिए हम राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम का पूरा सहयोग करेंगे।

प्राइड फ्लैग लगाने पर FBI चीफ का एक्शन, काश पटेल ने ब्यूरो ट्रेनी को नौकरी से किया बर्खास्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। FBI चीफ काश पटेल ने बुधवार, 1 अक्टूबर को एक ब्यूरो ट्रेनी के को इसलिए बर्खास्त कर दिया क्योंकि उसने अपने वर्क प्लेस पर प्राइड फ्लैग लगाया था। सीएनएन की रिपोर्ट में बताया गया है कि यह कर्मचारी, जिसने वर्षों तक एफबीआई में सेवा दी थी और अपने कार्यकाल के दौरान कई पुरस्कार प्राप्त किए थे। हालांकि पत्र में प्राइड फ्लैग का विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया गया था, लेकिन सूत्रों ने सीएनएन को बताया कि पटेल ने उस व्यक्ति पर गलत निर्णय और राजनीतिक संकेतों का अनुचित प्रदर्शन करने का आरोप लगाया।

डेस्क पर लगाया था प्राइड फ्लैग- सीएनएन के सूत्रों के अनुसार, ट्रेनी पहले लॉस एंजिल्स में एफबीआई सपोर्ट स्पेशलिस्ट के रूप में काम कर चुका था, जहां उसने एक फील्ड ऑफिस डायवर्सिटी प्रोग्राम कॉर्डिनेटर के रूप में काम किया था और अपने डेस्क पर प्राइड फ्लैग को प्रदर्शित किया था।

ट्रेनी पर राजनीतिक संकेतों का अनुचित प्रदर्शन का आरोप- एमएसएनबीसी द्वारा प्राप्त पटेल के 1 अक्टूबर के पत्र की एक कॉपी में कहा गया है, तथ्यों और परिस्थितियों की समीक्षा करने और आपकी परिवीक्षाधीन स्थिति पर विचार करने के बाद, मैंने यह निष्कर्ष निकाला है कि लॉस एंजिल्स फील्ड ऑफिस में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान आपने अपने कार्य क्षेत्र में राजनीतिक संकेतों का अनुचित प्रदर्शन करके गलत निर्णय लिया था।

अनुच्छेद द्वितीय शक्तियों का किया गया इस्तेमाल- इस पत्र में संघीय एजेंसी के कर्मियों को हटाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की अनुच्छेद II शक्तियों का भी इस्तेमाल किया गया था, जिसका औचित्य न्याय विभाग और एफबीआई में हाल ही में हुई अन्य बर्खास्तगी में भी उद्धृत किया गया है। इनमें से कई बर्खास्तगी अब चल रही कानूनी चुनौतियों का विषय हैं।

एफबीआई के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने सीएनएन को बताया कि ऐतिहासिक रूप से, किसी के डेस्क पर प्राइड फ्लैग प्रदर्शित करना कभी भी ब्यूरो की नीति का उल्लंघन नहीं माना गया है।

अमेरिका को 'Love You' बोलकर देश से निकल गई ये भारतीय लड़की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकन ड्रीम हर किसी के लिए सच नहीं हो पाता है। भारतीय युवती अनन्या जोशी के लिए यह सपना अधूरा रह गया। नौकरी न मिलने और वीजा संबंधी परेशानियों के चलते उन्हें अमेरिका छोड़ना पड़ा। जाते वक्त उन्होंने भावुक होकर सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया।

अनन्या ने बताया कि वह अमेरिका में स्र-1 वीजा पर पढ़ाई कर रही थी और पढ़ाई पूरी करने के बाद ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के तहत नौकरी ज्वाइन की थी। कंपनी ने उन्हें भरोसा दिया था कि वे ई-वैरिफाइड हैं, जिससे अनन्या अपने STEM OPT एक्सटेंशन पर काम जारी रख सकती थी। लेकिन बाद में पता चला कि कंपनी ई-वैरिफाइड नहीं है। इस वजह से अनन्या एक्सटेंशन के लिए आवेदन नहीं कर सकीं और कंपनी ने उन्हें निकाल दिया। उन्होंने बताया कि दो महीने में उन्होंने 20-30 इंटरव्यू दिए, लेकिन हर जगह यही जवाब मिला कि उन्हें ग्रीन कार्ड या सिटिजनशिप वाले उम्मीदवार चाहिए। OPT पर काम करने वालों को कोई रखने को तैयार नहीं था। 29 सितंबर को अनन्या ने इंस्टाग्राम पर अपना विदाई वीडियो शेयर किया और लिखा, अमेरिका मेरा पहला घर था जहां मैं आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनी।

ईरान में 7 लोगों को मौत की सजा, इजरायल के लिए काम करने का आरोप

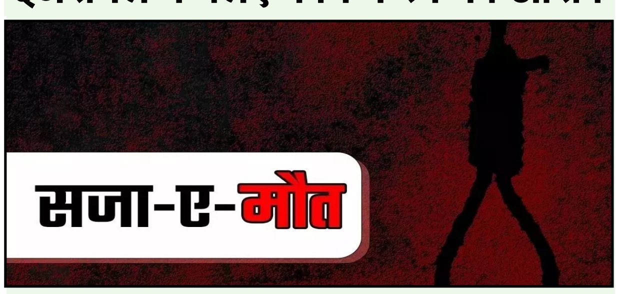

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान ने शनिवार को सुरक्षाकर्मियों और एक मौलवी की हत्या के दोषी सात लोगों को फांसी दे दी। छह लोग जातीय अरब अलगाववादी थे, जिनको खोर्रमशहर में सशस्त्र हमले और विस्फोट के लिए दोषी ठहराया गया था। हमले में चार सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। वहीं, एक अन्य शख्स समन मोहम्मदी खियारेह को 2009 में कुर्द में सरकार समर्थक सुन्नी मौलवी ममौस्ता शेख अल-इस्लाम की हत्या का दोषी ठहराया गया था। आरोप है कि इन लोगों के इजरायल से संबंध थे। हालांकि, मानवाधिकार समूहों का कहना है कि ईरान इस तरह के आरोप लगाता रहता है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने 2025 में अब तक 1,000 से अधिक लोगों को फांसी दी है, जो 15 वर्षों में समूह द्वारा दर्ज किया गया सबसे अधिक वार्षिक आंकड़ा है।

पाकिस्तान आर्मी का बलूचियों पर कहर, 3 दिन पहले अगवा किए लोगों के गोलियों से छलनी शव मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस सप्ताह बलूचिस्तान में चार शवों की खोज ने प्रांत में जबरन गायब किये जाने और न्यायेतर हत्याओं की चल रही लहर पर आक्रोश को फिर से भड़का दिया है।

परिवारों और अधिकार समूहों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और राज्य समर्थित मिलिशिया को नागरिकों के खिलाफ व्यवस्थित हिंसा के लिए दोषी ठहराया है। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित कई दिनों तक लापता रहे, जिसके बाद उनके शव बरामद किए गए।

डेथ स्क्वाड ने लिया था हिरासत में, अगले दिन मिला शव- तीन लोगों की पहचान उम्मेद के पुत्र कुद्दूस बलूच, दिलवाश के पुत्र नीक साल बलूच और अर्ज मुहम्मद के पुत्र नजर अर्ज मुहम्मद के रूप में हुई है, जो केच जिले के बुलेदा के सोराप बांध क्षेत्र में मृत पाए गए। तीनों सीमा पार व्यापार में लगे ड्राइवर थे। उनके परिवारों ने बताया कि 30 सितंबर को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और सरकार समर्थक मिलिशिया, जिसे स्थानीय तौर पर डेथ स्क्वाड कहा जाता है, के सदस्यों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। अगले दिन, 1 अक्टूबर को, गोलियों से छलनी उनके शव मिले।

इससे पहले, बलूचिस्तान पोस्ट ने नजर अर्ज मुहम्मद के लापता होने की खबर दी थी, जिसका कथित तौर पर उसी मिलिशिया के सदस्यों ने अपहरण कर लिया था। ऐसे सशस्त्र समूहों की बार-बार संलिप्तता ने स्थानीय लोगों की इस आशंका को और पुख्ता कर दिया है कि राज्य बलूचिस्तान में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों को बढ़ावा दे रहा है या उनकी अनदेखी कर रहा है।

यूक्रेन के पावर ग्रिड पर रूस का सबसे बड़ा हमला, 50 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल

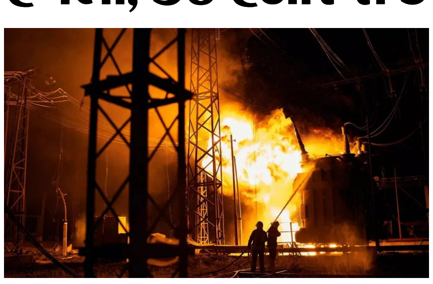

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने शनिवार रात को यूक्रेन के पावर ग्रिड पर हमला किया। एक दिन यूक्रेनी प्राकृतिक गैस सुविधाओं पर बड़ा हमला किया गया था। अधिकारियों ने इसे साढ़े तीन साल पहले मास्को के पूर्ण आक्रमण के बाद से यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला बताया था।

क्षेत्रीय ऑपरेटर चेर्निहिवोब्लेनेर्गो के अनुसार, हमले से रूसी सीमा के निकट उत्तरी शहर चेर्निहिव के पास ऊर्जा सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं और ब्लैकआउट हो गया, जिससे लगभग 50,000 घर प्रभावित होंगे।

रूस जमकर बरपा रहा यूक्रेन पर कहर- चेर्निहीव के सैन्य प्रशासन के प्रमुख दिमित्रो ब्रायजिन्स्की ने पुष्टि की कि शहर पर रात के समय हुए रूसी हमले के कारण कई स्थानों पर आग लग गई, लेकिन उन्होंने तुरंत यह नहीं बताया कि इससे क्या नुकसान हुआ। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि एक दिन पहले रूस ने यूक्रेन के सरकारी स्वामित्व वाले नैफ्टोगैज समूह द्वारा संचालित प्राकृतिक गैस सुविधाओं के खिलाफ युद्ध का सबसे बड़ा हमला किया था।

381 ड्रोन और 35 मिसाइलें दागी गईं- यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन पर कुल 381 ड्रोन और 35 मिसाइलें दागीं, जिसके बारे में अधिकारियों ने कहा कि यह सर्दियों से पहले यूक्रेनी पावर ग्रिड को नष्ट करने और 3 साल पुराने संघर्ष के लिए जनता के समर्थन को कम करने का प्रयास था।

1993 में पहली बार बनी सांसद, सियासत में दबदबा... कौन हैं साने ताकाईची, जो बन सकती हैं जापान की पहली महिला PM?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान की पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को शनिवार को जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) का नेता चुना गया है। उनके जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है।

जापान की जनता बढ़ती कीमतों से काफी नाराज है। ऐसे में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने जनता का विश्वास हासिल करने के लिए ताकाइची को चुना है। निवर्तमान शिगेरु इशिबा के स्थान पर किसी अन्य नेता को चुनने के लिए संसद में 15 अक्टूबर को मतदान होने की उम्मीद है।

ताकाइची को मिले 185 वोट - बता दें कि पार्टी नेतृत्व की दौड़ में पांच उम्मीदवार शामिल थे। शुरुआती दौर के मतदान में किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला था। वहीं, दूसरे दौर के मतदान में ताकाइची को 185 वोट मिले, जबकि कोइजुमी को 156 वोट मिले थे।

कौन हैं ताकाइची- 64 वर्षीय साने ताकाइची पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर की प्रशंसक हैं। ताकाइची जापान की मुख्यतः पुरुष प्रधान सत्तारूढ़ पार्टी की पहली महिला अध्यक्ष हैं, जिसने राजनीति में अपना दबदबा बनाए रखा है।

1993 में अपने गृहनगर नारा से पहली बार संसद के लिए चुनी गई थीं। उन्होंने आर्थिक सुरक्षा, आंतरिक मामलों और लैंगिक समानता मंत्री सहित प्रमुख पार्टी और सरकारी पदों पर कार्य किया है।

दुर्गा पूजा पर ली छुट्टी तो नौकरी से निकाल दिया, टेक वर्कर का पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक भारतीय टेक वर्कर का दावा है कि दुर्गा पूजा उत्सव के लिए स्वीकृत छुट्टी लेने के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। यूजर ने एक वायरल रेडिट पोस्ट में अपना अनुभव साझा किया, जिसका शीर्षक था, दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान छुट्टी लेने के कारण नौकरी से निकाल दिया गया।

उन्होंने बताया कि छुट्टी के लिए आवेदन करने के लिए सही माध्यमों से अनुमति लेने के बावजूद उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। तकनीकी विशेषज्ञ ने आर/डेवलपर्सइंडिया सबरेडिट में लिखा, आज मुझे एक बेहद मूर्खतापूर्ण कारण से नौकरी से निकाल दिया गया। एचआर ने टर्मिनेशन मेल में लिखा है- अनधिकृत अनुपस्थिति के कारण नौकरी से निकाला गया।

तीन हफ्ते पहले ही मैनेजर को दी थी सूचना- उन्होंने कहा, छुट्टी लेने से पहले, मैंने अपनी छुट्टी की अवधि शुरू होने से तीन हफ्ते पहले अपने मैनेजर को सूचित कर दिया था। कंपनी के सीईओ से अनुमति भी ले ली थी। फिर भी मुझे अपने साथ ऐसा होते देखना पड़ा। तकनीकी विशेषज्ञ ने बताया कि उन्होंने पिछले चार महीनों से कड़ी मेहनत की थी, यहां तक कि आवश्यकता पड़ने पर काम के घंटे भी बढ़ाए, लेकिन फिर भी उन्हें यह दुर्भाग्य झेलना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, ÷मैं इस बात से बहुत दुखी और टूट गया हूं। क्या वे मुझे मेरे दस्तावेज जैसे रिलीविंग, अनुभव पत्र, वेतन पर्ची आदि देंगे या नहीं? कृपया मुझे सलाह दें कि इस स्थिति में मुझे क्या करना चाहिए।

यूजर्स ने दी टेक वर्कर को सलाह- जैसे ही यह पोस्ट ऑनलाइन वायरल हुई, सोशल मीडिया यूजर्स ने उस व्यक्ति के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और कहा कि यदि वे कंपनी के साथ बने रहते तो उन्हें आगे और अधिक कष्ट से बचाया जा सकता था।

भारत-चीन के बीच सीधी फ्लाइट 26 अक्टूबर से, तीन गुना बढ़ सकते हैं यात्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच सीधी हवाई सेवा पांच साल बाद फिर से शुरू होने जा रही है। यह बड़ी शुरुआत इंडिगो एयरलाइंस करेगी, जो 26 अक्टूबर 2025 से कोलकाता-ग्वांगझू सीधी उड़ान शुरू करने वाली है। इस उड़ान से यात्रियों को साधा सफर मिलेगा और समय पर खर्च दोनों की बचत होगी।

इंडिगो की पहली सीधी उड़ान कोलकाता से 26 अक्टूबर की रात 10 बजे रवाना होगी और सुबह 4 बजे ग्वांगझू पहुंचेगी। टिकट की कीमत 15 हजार रुपये रखी गई है। एयर इंडिया भी जल्द ही दिल्ली-शंघाई सर्विस शुरू करने पर काम कर रही है।

इंडिगो के शेयर में तेजी- इंडिगो के CEO पीटर एल्बर्स ने कहा कि यह कदम उनके ग्लोबल ग्रोथ प्लान का हिस्सा है और कंपनी भविष्य में चीन के और भी शहरों तक उड़ानों को शुरू करने पर विचार कर रही है। इस एलान के बाद इंडिगो के शेयरों में 1.5त्न तक की तेजी दर्ज की गई। विदेश मंत्रालय ने पहले ही घोषणा की थी कि भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें अक्टूबर 2025 के अंत से शीतकालीन शेड्यूल में बहाल होंगी। एविएशन एक्टपर्ट्स का अनुमान है कि सीधी उड़ानें बहाल होने के बाद यात्री संख्या तीन गुना बढ़कर 30 लाख सालाना हो सकती है।

रायपुर में सराफा व्यापारी से गन प्वाइंट पर लूट, 86 किलो चांदी के जेवरात लेकर बदमाश फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में अपराधियों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए सराफा व्यापारी से करीब 86 किलो चांदी के आभूषण लूट लिए। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के सदर बाजार इलाके की है।

बदमाशों ने व्यापारी को गन प्वॉइंट पर बंधक बनाया, उसके हाथ-पैर बांध दिए और बेहोश करने के लिए संदिग्ध वस्तु सुंघा दी। इसके बाद ज्वेलरी शॉप से भारी मात्रा में चांदी लूटकर फरार हो गए।

शिवा ट्रेडर्स के मालिक को बनाया निशाना- पुलिस के मुताबिक, पीड़ित व्यापारी का नाम राहुल गोयल है और उनकी दुकान शिवा ट्रेडर्स ज्वेलर्स के नाम से संचालित होती है। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 4 बजे अज्ञात बदमाश दुकान पर पहुंचे और हथियार के बल पर गेट खुलवाया। इसके बाद व्यापारी को बेहोश कर डकैती को अंजाम दिया।

वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास के इलाकों में लगे CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया है।

ना पूछताछ ना कोई जांच... नीरव मोदी को भारत लाने के लिए एजेंसियों ने कोर्ट को क्या गारंटी दी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को भारत लाने की कोशिश में लगी हुई है। भारत सरकार ने लंदन कोर्ट को भरोसा दिलाया है कि यदि वे नीरव मोदी को भारत प्रत्यर्पित करते हैं तो सिर्फ कोर्ट में मुकदमा चलाया जाएगा। कोई भी जांच एजेंसी नीरव मोदी से पूछताछ नहीं करेगी और ना ही उसे दोबारा हिरासत में लिया जाएगा।

दरअसल, लंदन की एक अदालत 23 नवंबर को भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की उस याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें उसके प्रत्यर्पण मुकदमे को फिर से खोलने की मांग की गई है। इस याचिका में यह भी कहा गया है कि अगर नीरव मोदी को भारत लाया जाता है तो एजेंसियों द्वारा उससे पूछताछ की जा सकती है। इस दौरान उसे यातनाएं भी दी जा सकती हैं. लेकिन अब ऐजेंसियों ने इसका खंडन करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि उससे कोई भी पूछताछ नहीं की जाएगी।

सिर्फ भारतीय कानूनों के अनुसार चलेगा मुकदमा- इस मामले की जांच कर रही एजेंसियां अदालत को दिए गए अपने पिछले आश्वासन को दोहरा सकती हैं कि प्रत्यर्पित होने पर मोदी पर भारतीय कानूनों के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा और एजेंसियों द्वारा उससे कोई पूछताछ नहीं की जाएगी।

पूछताछ की जरुरत नहीं- घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने कहा हमने मामले में आरोपपत्र पहले ही दाखिल कर दिए हैं। अभी उनसे पूछताछ की ज़रूरत नहीं है। हमारी जांच लगभग पूरी हो चुकी है। उन्हें मुकदमे का सामना करना होगा। अगर ब्रिटेन की कोर्ट हमसे कहती है, तो हम अपना आश्वासन दोहरा सकते हैं कि अगर उन्हें भारत प्रत्यर्पित किया जाता है, तो उनसे कोई पूछताछ नहीं की जाएगी। हमने पहले भी ऐसा आश्वासन दिया है। बता दें कि नीरव साल 2018 में करोड़ों रुपये के घोटाले के आरोप के बाद देश छोड़कर भाग गया था। नीरव पर पंजाब नेशनल बैंक से धोखाधड़ी से जारी सैकड़ों लेटर ऑफ अंडरटेकिंग्स के जरिए 6,498 करोड़ रुपये से ज़्यादा की हेराफेरी करने का आरोप है।

कितना खतरनाक है कोल्ड्रिफ कफ सिरप में पाया जाने वाला डाइएथिलिन ग्लाइकॉल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोल्ड्रिफ कफ सिरप को लेकर देशभर में दहशत मची हुई है। कथित रूप से कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से राजस्थान और मध्य प्रदेश में 12 बच्चों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद से मध्य प्रदेश और तमिलनाडू में यह सिरप बैन कर दी गई है। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय इस सिरप के नमूने लेकर जांच करवा रहा है।

तमिलनाडु में कोल्ड्रिफ कफ सिरप की विनिर्माण इकाई से मिसे सैंपल में आवश्यकता है अधिक मात्रा में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) पाया गया है। ऐसे में चलिए जानते हैं क्या होता है डाइएथिलिन ग्लाइकॉल जो सेहत के लिए खतरा बताया जाता है।

क्या होता है ष्ठश्वत्र और EG- डाइएथिलिन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल औद्योगिक विलायक है। इसका इस्तेमाल एंटीफ्रीज़, पेंट, ब्रेक द्रव और प्लास्टिक में किया जाता है। यह दवाओं के लिए नहीं होता है। डायथिलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल कभी-कभी ग्लिसरीन जैसी दवा सामग्री को दूषित कर देते हैं। जो आमतौर पर आपूर्तिकर्ताओं द्वारा सस्ती औद्योगिक-ग्रेड सामग्री के लिए उपयोग की वजह से होता है।

डाइएथिलिन ग्लाइकॉल रंगहीन और सिरप जैसा होता है, इसके चलते यदि इसे प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए छोड़ दें तो इसे वैध एक्सीपिएंट्स समझने की गलती आसान हो जाता है।

क्यों होते हैं खतरनाक- डाइएथिलिन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल को निगलने पर यह विषाक्त यौगिकों में टूट जाते हैं। जिसके चलते गुर्दे, यकृत और तंत्रिका तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। छोटे बच्चों में इसके शुरुआती लक्षण मतली, पेट दर्द और कम पेशाब से शुरू होते हैं।

प्रतिमा विसर्जन में चला गया था बेटा, गुस्साए पति ने कुल्हाड़ी से काट दिया पत्नी का गला

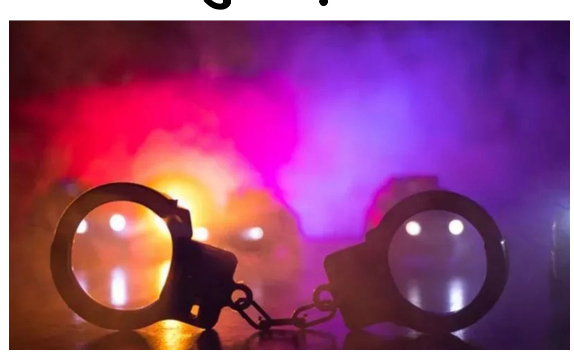

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना से एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। आरोपी ने कुल्हाड़ी से पत्नी का गला काट दिया और पीड़िता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतक महिला की पहचान चेकाती स्वप्ना के रूप में हुई है। स्वप्ना का अपने पति नरेश से किसी बात पर झगड़ा हुआ। मामला इतना बढ़ा कि नरेश ने स्वप्ना की जान ले ली।

क्या था पूरा मामला- यह मामला तेलंगाना के महबूबाबाद जिले के नेल्लीकुदुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित अलेरी गांव का है। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। नरेश और स्वप्ना का बेटा माता-पिता से बिना बताए मूर्ति विसर्जन में चला गया था। इसे लेकर नरेश और स्वप्ना में लड़ाई हुई और गुस्से में आकर नरेश ने स्वप्ना के गले पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया।

बेटे को लेकर हुआ विवाद- स्वप्ना की बहन ने नरेश के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस के अनुसार, स्वप्ना की बहन माचरला उमा ने पुलिस को घटना की सूचना दी। स्वप्ना और नरेश की 20 साल पहले शादी हुई थी। दोनों के 2 बेटे संदेश और विक्रम हैं। 17 साल का बेटा विक्रम जो दशहरा के मौके पर देवी के विसर्जन में गया था।

माचरला ने अपनी शिकायत में बताया- बैटे की गैर-मौजूदगी पर नरेश ने स्वप्ना को दोष देना शुरू कर दिया। इसे लेकर दोनों के बीच बहस हुई और नरेश ने कुल्हाड़ी से स्वप्ना का गला काट दिया।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in

सर्वे भवन्तु सुखिन:
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वादशी

संपादकीय

साहित्य की दुनिया में कुछ नाम ऐसे होते हैं जोअपने व्यक्तित्व, सहजता से भी पीढ़ियों तक याद किए जाते हैं...

साहित्य की दुनिया में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल अपने लेखन से नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व, सहजता और साहित्यकारों के प्रति आत्मीय व्यवहार से भी पीढ़ियों तक याद किए जाते हैं। दादा लखमी खिलानी उन्हीं नामों में से एक हैं। 2 अक्टूबर को उन्होंने अपने जीवन के 90 वर्ष पूरे किए। इस अवसर पर जब सुबह उनसे मेरी बातचीत हुई, तो उनकी आवाज़ में वही पुराना उत्साह और वही आत्मीयता झलक रही थी, जिसने पिछले चार दशकों से हमारे बीच एक सुदृढ़ संबंध बनाए रखा है।

उन्होंने बताया कि फिलहाल वे अपने बेटे के पास बेंगलुरु में हैं और जीवन के इस पड़ाव पर भी साहित्य सृजन में निरंतर सक्रिय हैं। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि उनकी कहानियों के अंग्रेजी अनुवाद की पुस्तक शीघ्र प्रकाशित होने वाली है। यह तथ्य स्वयं में इस बात का प्रमाण है कि लखमी खिलानी का लेखन केवल सिंधी साहित्य तक सीमित नहीं, बल्कि उसकी पहुँच राष्टीय और अंतरराष्टीय स्तर तक है।

बातचीत के दौरान जब मैंने उन्हें बधाई दी तो वे अत्यंत प्रसन्न हुए। मैंने उनसे कहा कि उनकी कुछ कहानियाँ आज भी मेरी स्मृतियों में जीवंत हैं। इनमें शिकार काकातुआ और अंधी कविता विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। अंधी कविता पर भोपाल में नाटक का मंचन भी हुआ, जिसने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। इसी तरह उनकी एक अन्य प्रसिद्ध कहानी रेत का किला भी बहुत चर्चित रही। इसका नाट्य रूपांतरण सिंधी में कई बार मंचित हुआ और भोपाल के रंगकर्मियों ने इसे बार-बार प्रस्तुत किया।

नाटक मंचन की यादों को साझा करते हुए खिलानी दादा ने भोपाल के रंग निर्देशक अशोक बुलानी और कविता इसरानी का भी स्मरण किया। यह उनके व्यक्तित्व की विशेषता है कि वे सहयोग देने वालों को हर अवसर पर याद करते हैं। विनायक फीचर्स और दिनेश चंद्र वर्मा का स्मरण- बातचीत के दौरान उन्होंने विशेष रूप से भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार और विनायक फ़ीचर्स के संस्थापक दिनेश चंद्र वर्मा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्मा जी ने उनकी सैकड़ों कहानियों का हिंदी के अखबारों में प्रकाशन करवाया और उन्हें पाठकों तक पहुँचाया। यही कारण है कि हिंदी पाठकों के बीच भी लखमी खिलानी का साहित्य जाना-पहचाना नाम बना। आज भी विनायक फीचर्स की यह परंपरा निरंतर गतिमान है। स्वर्गीय दिनेश चंद्र वर्मा का उन्होंने भावपूर्ण स्मरण करते हुए कहा कि यदि ऐसे लोग न होते तो सिंधी लेखन का हिंदी जगत से इतना गहरा संबंध नहीं बन पाता। परिवार और जीवन शैली- लखमी दादा का जीवन एक जगह तक सीमित नहीं रहा। वे साल में कुछ महीने बैंगलुरु, पुणे और कोलकाता में रहते हैं और बेटे-बेटी दोनों के साथ समय बिताते हैं। यह जीवनशैली उन्हें सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध करती रही है। उनकी बेटी और बेटा दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र में व्यस्त रहते हैं, लेकिन उनके साथ रहकर लखमी दादा साहित्य और परिवार के बीच अद्भुत संतुलन बनाए रखते हैं। पुरस्कार और मान्यता- लखमी खिलानी को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त है। उनकी पुरस्कृत कृति गुफा के उस पार सिंधी साहित्य की एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जाती है। यह कृति केवल कहानी का संग्रह भर नहीं, बल्कि जीवन, समाज और संस्कृति की गहरी परतों को उजागर करने वाला दस्तावेज़ है। इस सम्मान ने उन्हें न केवल सिंधी भाषा के साहित्यकारों में विशिष्ट स्थान दिया बल्कि राष्टीय स्तर पर भी प्रतिष्ठित किया।

रानी दुर्गावती

रानी दुर्गावती गोंडवाना की शासक थीं, जो भारतीय इतिहास की सर्वाधिक प्रसिद्ध रानियों में गिनी जाती हैं। दुर्गावती ने 16 वर्ष तक जिस कुशलता से राज संभाला, उसकी प्रशस्ति इतिहासकारों ने की है। आइना-ए-अकबरी में अबुल फ़ज़ल ने लिखा है- ÷दुर्गावती के शासनकाल में गोंडवाना इतना सुव्यवस्थित और समृद्ध था कि प्रजा लगान की अदायगी स्वर्णमुद्राओं और हाथियों से करती थी।

जीवन परिचय- वीरांगना महारानी दुर्गावती कालिंजर के राजा कीर्तिसिंह चंदेल की एकमात्र संतान थीं। महोबा के राठ गांव में 1524 ई. की दुर्गाष्टमी पर जन्म के कारण उनका नाम दुर्गावती रखा गया। नाम के अनुरूप ही तेज, साहस, शौर्य और सुन्दरता के कारण इनकी प्रसिद्धि सब ओर फैल गयी। दुर्गावती के मायके और ससुराल पक्ष की जाति भिन्न थी लेकिन फिर भी दुर्गावती की प्रसिद्धि से प्रभावित होकर राजा संग्राम शाह ने अपने पुत्र दलपतशाह से विवाह करके, उसे अपनी पुत्रवधू बनाया था। दुर्भाग्यवश विवाह के चार वर्ष बाद ही राजा दलपतशाह का निधन हो गया। उस समय दुर्गावती की गोद में तीन वर्षीय नारायण ही था। अतः रानी ने स्वयं ही गढ़मंडला का शासन संभाल लिया। उन्होंने अनेक मंदिर, मठ, कुएं, बावड़ी तथा धर्मशालाएं बनवाई। वर्तमान जबलपुर उनके राज्य का केन्द्र था। उन्होंने अपनी दासी के नाम पर चेरीताल, अपने नाम पर रानीताल तथा अपने विश्वस्त दीवान आधारसिंह के नाम पर आधारताल बनवाया।

शौर्य और पराक्रम की देवी- झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से रानी दुर्गावती का शौर्य किसी भी प्रकार से कम नहीं रहा है, दुर्गावती के वीरतापूर्ण चरित्र को लम्बे समय तक इसलिए दबाये रखा कि उसने मुस्लिम शासकों के विरुद्ध संघर्ष किया और उन्हें अनेकों बार पराजित किया। देर से ही सही मगर आज वे तथ्य सम्पूर्ण विश्व के सामने हैं। धन्य है रानी का पराक्रम जिसने अपने मान सम्मान, धर्म की रक्षा और स्वतंत्रता के लिए युद्ध भूमि को चुना और अनेकों बार शत्रुओं को पराजित करते हुए बलिदान दे दिया।

दुर्गावती का शासन- दुर्गावती ने 16 वर्ष तक जिस कुशलता से राज संभाला, उसकी प्रशस्ति इतिहासकारों ने की। आइना-ए-अकबरी में अबुल फ़ज़ल ने लिखा है, दुर्गावती के शासनकाल में गोंडवाना इतना सुव्यवस्थित और समृद्ध था कि प्रजा लगान की अदायगी स्वर्णमुद्राओं और हाथियों से करती थीं। मंडला में दुर्गावती के हाथीखाने में उन दिनों 1400 हाथी थे। मालवांचल शांत और संपन्न क्षेत्र माना जाता रहा है, पर वहां का सूबेदार स्त्री लोलुप बाजबहादुर, जो कि सिर्फ रूपमती से आंख लड़ाने के कारण प्रसिद्ध हुआ है, दुर्गावती की संपदा पर आँखें गड़ा बैठा। पहले ही युद्ध में दुर्गावती ने उसके छक्के छुड़ा दिए और उसका चाचा फतेहा खां युद्ध में मारा गया, पर इस पर भी बाजबहादुर की छाती ठंडी नहीं हुई और जब दुबारा उसने रानी दुर्गावती पर आक्रमण किया, तो रानी ने कटंगी-घाटी के युद्ध में उसकी सेना को ऐसा रौंदा कि बाजबहादुर की पूरी सेना का सफाया हो गया। फलतः दुर्गावती सम्राज्ञी के रूप में स्थापित हुईं।

अकबर से संघर्ष और बलिदान- अकबर के कडा मानिकपुर का सूबेदार ख्वाजा अब्दुल मजीद खां जो आसफ़ खां के नाम से जाना जाता था, ने रानी दुर्गावती के विरुद्ध अकबर को उकसाया, अकबर अन्य राजपूत घरानों की तरह दुर्गावती को भी रनवासे की शोभा बनाना चाहता था। रानी दुर्गावती ने अपने धर्म और देश की दृढ़ता पूर्वक रक्षा की ओर रणक्षेत्र में अपना बलिदान 1564 में कर दिया, उनकी मृत्यु के पश्चात् उनका देवर चन्द्रशाह शासक बना व उसने मुग़लों की आधीनता स्वीकार कर ली, जिसकी हत्या उन्हीं के पुत्र मधुकरशाह ने कर दी। अकबर को कर नहीं चुका पाने के कारण मधुकर शाह के दो पुत्र प्रेमनारायण और हदयेश शाह बंधक थे। मधुकरशाह की मृत्यु के पश्चात् 1617 में प्रेमनारायणशाह को राजा बनाया गया।

थर-थर दुश्मन कांपे,
पग-पग भागे अत्याचार,
नरमुण्डों की झडी लगाई,
लाशें बिछाई कई हजार,
जब विपदा घिर आई चहुंओर,
सीने मे खंजर लिया उतार।

चौरागढ़ का जौहर- आसफ़ ख़ाँ रानी की मृत्यु से बौखला गया, वह उन्हें अकबर के दरबार में पेश करना चाहता था, उसने राजधानी चौरागढ़ (हाल में ज़िला नरसिंहपुर में) पर आक्रमण किया, रानी के पुत्र राजा वीरनारायण ने वीरतापूर्वक युद्ध करते हुए वीरगति प्राप्त की, इसके साथ ही चौरागढ़ में पवित्रता को बचाये रखने का महान् जौहर हुआ, जिसमें हिन्दुओं के साथ-साथ मुस्लिम महिलाओं ने भी जौहर के अग्नि कुंड में छलांग लगा दी थी। किंवदंतियों में है कि आसफ़ ख़ाँ ने अकबर को खुश करने के लिये दो महिलाओं को यह कहते हुए भेंट किया कि एक राजा वीरनारायण की पत्नी है तथा दूसरी दुर्गावती की बहिन कलावती है। राजा वीरनारायण की पत्नी ने जौहर का नेतृत्व करते हुए बलिदान किया था और रानी दुर्गावती की कोई बहिन थी ही नहीं, वे एक मात्र संतान थीं। बाद में आसफ़ ख़ाँ से अकबर नराज़ भी रहा, मगर मेवाड़ के युद्ध में वह मुस्लिम एकता नहीं तोड़ना चाहता था।

अकबर और दुर्गावती- तथाकथित महान् मुग़ल शासक अकबर भी राज्य को जीतकर रानी को अपने हरम में डालना चाहता था। उसने विवाद प्रारम्भ करने हेतु रानी के प्रिय सफेद हाथी (सरमन) और उनके विश्वस्त वजीर आधारसिंह को भेंट के रूप में अपने पास भेजने को कहा। रानी ने यह मांग ठुकरा दी। इस पर अकबर ने अपने एक रिश्तेदार आसफ़ ख़ाँ के नेतृत्व में गोंडवाना पर हमला कर दिया। एक बार तो आसफ़ ख़ाँ पराजित हुआ, पर अगली बार उसने दोगुनी सेना और तैयारी के साथ हमला बोला। दुर्गावती के पास उस समय बहुत कम सैनिक थे। उन्होंने जबलपुर के पास नरई नाले के किनारे मोर्चा लगाया तथा स्वयं पुरुष वेश में युद्ध का नेतृत्व किया। इस युद्ध में 3,000 मुग़ल सैनिक मारे गये लेकिन रानी की भी अपार क्षति हुई थी। अगले दिन 24 जून, 1564 को मुग़ल सेना ने फिर हमला बोला। आज रानी का पक्ष दुर्बल था, अतः रानी ने अपने पुत्र नारायण को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया। तभी एक तीर उनकी भुजा में लगा, रानी ने उसे निकाल फेंका। दूसरे तीर ने उनकी आंख को बेध दिया, रानी ने इसे भी निकाला पर उसकी नोक आंख में ही रह गयी। तभी तीसरा तीर उनकी गर्दन में आकर धंस गया। रानी ने अंत समय निकट जानकर वजीर आधारसिंह से आग्रह किया कि वह अपनी तलवार से उनकी गर्दन काट दे, पर वह इसके लिए तैयार नहीं हुआ। अतः रानी अपनी कटार स्वयं ही अपने सीने में भोंककर आत्म बलिदान के पथ पर बढ़ गयीं। महारानी दुर्गावती ने अकबर के सेनापति आसफ़ खान से लड़कर अपनी जान गंवाने से पहले पंद्रह वर्षों तक शासन किया था।

सम्मान- रानी दुर्गावती कीर्ति स्तम्भ, रानी दुर्गावती पर डाकचित्र, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, रानी दुर्गावती अभ्यारण्य, रानी दुर्गावती सहायता योजना, रानी दुर्गावती संग्रहालय एवं मेमोरियल, रानी दुर्गावती महिला पुलिस बटालियन आदि न जाने कितनी कीर्ति आज बुन्देलखण्ड से फैलते हुए सम्पूर्ण देश को प्रकाशित कर रही है।

चन्देलों की बेटी थी,
गौंडवाने की रानी थी,
चण्डी थी रणचण्डी थी,
वह दुर्गावती भवानी थी।

स्वतंत्रता संग्राम की महान् महिला सेनानी व खूब लडी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी की शौर्यगाथा काव्य को लिखने वाली, वीररस की महान् कवियित्री सुभद्रा कुमारी चौहान के ये शब्द ही, अद्वितीय शौर्य का प्रदर्शन करते हुए अमर बलिदान करने वाली रानी दुर्गावती की सच्ची कहानी कहते हुए महसूस होते हैं।

नमन कर रहा है।
सुनूगीं माता की आवाज,
रहूंगीं मरने को तैयार।
कभी भी इस वेदी पर देव,
न होने दूंगी अत्याचार।
मातृ मंदिर में हुई पुकार,
चलो मैं तो हो जाऊँ बलिदान,
चढ़ा दो मुझको हे भगवान!!

बाहर से डॉक्टर, इंजीनियर अमेरिका नहीं आए तो हमारा निवेश... H-1B वीजा पर US कंपनियों ने ट्रंप को चेताया

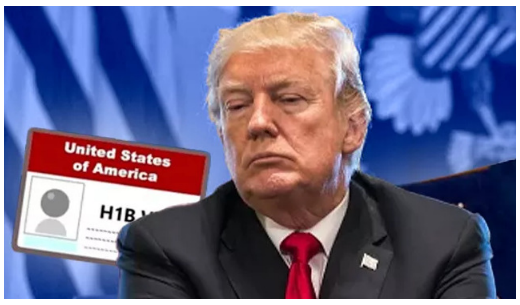

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में H-1B वीजा पर ट्रंप प्रशासन के भारी-भरकम .100,000 (करीब 83 लाख रुपये) शुल्क ने उद्योग जगत में हड़कंप मचा दिया है। हाई-स्किल्ड विदेशी प्रोफेशनल्स पर निर्भर कंपनियों को डर सता रहा है कि कहीं यह फैसला उनकी टैलेंट पाइपलाइन को तबाह न कर दे। AI, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी जैसे आधुनिक सेक्टर में जहां हर दिन नई खोजें हो रही हैं, वहां अचानक यह नई नीति एक बड़े संकट का संकेत बन गई है।

डॉक्टरों से लेकर सॉफ्टवेयर इंजीनियरों तक, अमेरिका में आवश्यक नौकरियों पर खालीपन का खतरा गहराने लगा है और देश की वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर भी सवाल उठने लगे हैं।

ऐसे में देश की कई बड़ी कंपनियों और इंडस्ट्री एसोसिएशनों ने इस फैसले का खुलकर विरोध किया है, जो ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ सार्वजनिक तौर पर असहमति मानी जा रही है।

उद्योग संगठनों का ट्रंप को पत्र- चिपमेकर, सॉफ्टवेयर कंपनियों और रिटेल सेक्टर से जुड़े करीब दर्जनभर इंडस्ट्री संगठनों ने ट्रंप को एक पत्र लिखकर कहा है कि यह नई फीस अमेरिकी कंपनियों के लिए स्किल्ड विदेशी टैलेंट तक पहुंच को मुश्किल बना सकती है। इससे अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा और कई अहम पद खाली रह सकते हैं।

पत्र में कहा गया, हम चाहते हैं कि प्रशासन, H-1B वीजा कार्यक्रम में जरूरी सुधारों को लागू करते समय उद्योग की चुनौतियों को समझे और ऐसे बदलाव न लाए जो टैलेंट को भर्ती, ट्रेन और बनाए रखने में बाधा बनें।

इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में बिजनेस सॉफ्टवेयर एलायंस, सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री एसोसिएशन, नेशनल रिटेल फेडरेशन, एंटरटेनमेंट सॉफ्टवेयर एसोसिएशन और सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग परिषद जैसे नाम शामिल हैं।

हाई-टेक सेक्टर्स पर असर- H-1B वीजा में यह बड़ा बदलाव, खासकर AI, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी और हेल्थकेयर जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों पर सीधा असर डाल सकता है। SEMI ने चेतावनी दी कि इससे अमेरिका की लीडरशिप इन क्षेत्रों में कमजोर पड़ सकती है।

अफ्रीका-कोलंबिया के बाजारों में कैसे बना भारतीय दोपहिया वाहनों का दबदबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय दोपहिया वाहन निर्माता कंपनियां, जैसे कि बजाज, हीरो मोटोकॉर्प और टीवीएस, अब न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी गहरी छाप छोड़ रही हैं। हाल ही में राहुल गांधी ने कोलंबिया दौरे की एक तस्वीर जिसमें वह भारत की बजाज पल्सर के साथ नजर आए।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कोलंबिया जैसे देशों में भारतीय कंपनियां जैसे हीरो, बजाज और ञ्जङ्कस् जैसी कंपनियां शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। आगे कहा कि नवाचार और गुणवत्ता के बल पर भी दुनिया जीती जा सकती है।

2024 में वैश्विक स्तर पर दोपहिया वाहन कारोबार की अनुमानित कीमत करीब 8 बिलियन डॉलर (लगभग 70,500 करोड़) रही। उम्मीद की जा रही है कि 2030 तक यह आंकड़ा 11 बिलियन डॉलर (लगभग 96,900 करोड़) तक पहुंच सकता है।

अफ्रीकी बाजार में भारत की पकड़- कभी अफ्रीका के टू-व्हीलर मार्केट पर अमेरिकी, यूरोपीय और चीनी ब्रांड्स का दबदबा हुआ करता था, लेकिन अब इस क्षेत्र में भारतीय कंपनियों का वर्चस्व स्थापित हो चुका है। बजाज, टीवीएस, हीरो और रॉयल एनफील्ड जैसे ब्रांड्स अब इस बाजार में प्रमुख स्थान पर हैं।

Nifty और बैंक निफ्टी का लॉट साइज घटा, निवेशक कम पूंजी में कमा पाएंगे गजब का फायदा; कब से होगा लागू?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने इंडेक्स डेरिवेटिव्स की मार्केट लॉट साइज में अहम बदलावों का ऐलान किया है। ये बदलाव SEBI के दिशानिर्देशों के अनुसार किए गए हैं और ये 28 अक्टूबर 2025 से लागू होंगे।

इन बदलावों का असर Nifty 50, Bank Nifty, Nifty Financial Services जैसे बड़े इंडेक्स पर पड़ेगा, और ट्रेडर्स को अपने पोर्टफोलियो में जरूरी समायोजन करने होंगे।

नए नियम कब से लागू होंगे- नए नियमों के तहत इंडेक्स डेरिवेटिव्स की लॉट साइज में बदलाव जनवरी 2026 की एक्सपायरी से साप्ताहिक और मासिक कॉन्ट्रैक्ट्स पर लागू होंगे। वहीं, त्रैमासिक और अर्धवार्षिक कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए ये बदलाव 30 दिसंबर 2025 से प्रभाव में आ जाएंगे।

यह बदलाव ट्रैडर्स के लिए एक राहत की खबर हो सकती है क्योंकि इससे पोजिशन लेना थोड़ा सस्ता और फ्लेक्सिबल हो जाएगा।

कम लॉट साइज का मतलब है कि अगर बाजार विपरीत दिशा में चला गया, तो आपका नुकसान पहले से कम होगा। यानी नया ट्रेडर पहले कम रिस्क लेकर बाजार में उतर सकता है।

3. ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी- कम लॉट साइज होने से आप अपने ट्रेड्स को आसानी से पार्ट्स में मैनेज कर सकते है। जैसे पहले अगर आपके पास Bank Nifty का एक ही लॉट होता, तो आप उसे आधा नहीं बेच सकते थे।

अब आप छोटे साइज के सौदों में एंट्री या एग्जिट कर सकते है। जो ट्रेडिंग स्ट्रैटेजी में ज्यादा लचीलापन लाता है।

4. नए निवेशकों के लिए शानदार मौका- छोटे शहरों और नए ट्रेडर्स के लिए ये बदलाव एक बड़ा मौका है सीखने और कम जोखिम में हिस्सा लेने का है। कम लॉट साइज उन्हें बिना ज्यादा पूंजी लगाए अनुभव लेने में मदद करेगा।

सोना और चांदी की रफ्तार भी छूटी पीछे, कॉपर ने MCX पर बनाया नया ऑल टाइम हाई; अगला गोल्ड है कॉपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोना और चांदी तो आए दिन कीमतों में एक नया रिकॉर्ड बना रहे हैं। लेकिन एक धातु और है जो इनसे भी तेज रफ्तार के साथ आगे बढ़ रही है। इस धातु का नाम है तांबा, जिसे अंग्रेजी में कॉपर कहा जाता है। कॉपर ने पहले 3 अक्टूबर को स्ख्ड्ड पर ?972.55 के आंकड़े को छूकर अपना ऑल टाइम हाई बनाया और अब 4 अक्टूबर को इसने अपना नया ऑल टाइम हाई बनाया है।

31 अक्टूबर के लिए कॉपर स्ख्ड्ड पर कॉपर का वायदा 993.65 रुपये के स्तर को टच कर गया। यानी अगर एमसीएक्स पर आप आज एक किलो कॉपर के लिए बोली लगाते हैं तो 31 अक्टूबर को आपके इसी रेट पर एक किलो कॉपर मिलेगा। भले ही उस दिन इसकी कीमतें आसमान छू रही हों।

अगला सोना है कॉपर- कॉपर की रफ्तार को देखते हुए केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा, आने वाले समय में अब तांबा नया सोना यानी गोल्ड बनेगा। शनिवार को कॉपर में जो ब्रेकआउट दिखा, वह तो बस एक शुरुआत है। अगले दो सालों में बेस मेटल्स में 20-25त्न तक की तेजी देखने को मिलेगी। इसमें कॉपर और जिंक सबसे आगें रहेंगे।

कॉपर में जारी इस तेजी को एक व्यापक बाजार प्रवृत्ति के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है जो पिछ्ले कई वर्षों में विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में क्रमिक रूप से सामने आई है।

8वें वेतन आयोग से पहले ही बढ़ी केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी, अगले महीने से खाते में इतने रुपये आएंगे अधिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। 8वें वेतन आयोग के लागू होने से पहले केंद्र सरकार ने 7वें वेतन आयोग के तहत अंतिम बार डीए में बुधवार को बढ़ोतरी की थी। केंद्र सरकार ने बुधवार को अपने कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी, जिससे डीए 58 प्रतिशत हो गया। 7वां वेतन आयोग दिसंबर 2025 को समाप्त हो रहा है। चालू वेतन आयोग के तहत यह अंतिम बढ़ोतरी थी। दशहरा और दिवाली त्योहारों से पहले उठाया गया यह कदम 2025 में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए दूसरी बार डीए में बढ़ोतरी है।

इसे आखिरी बार मार्च में संशोधित किया गया था, जब कर्मचारियों को भत्ते में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी मिली थी। इस बढ़ोतरी के केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में इजाफा हुआ है। बढ़ी हुई सैलरी नवंबर से मिलेगी। इतना ही नहीं तीन महीने का एरियर भी मिलेगा। लेकिन सवाल यह है कि आखिर सैलरी में बढ़ोतरी कितनी हुई है। आइए जानते हैं।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी से सैलरी मूल वेतन का 3 फीसदी और बढ़ जाएगी।उदाहरण के लिए, सातवें वेतन आयोग के तहत, न्यूनतम 18,000 मूल वेतन वाले कर्मचारी की मासिक आय में DA वृद्धि से लगभग 540 की वृद्धि होगी।

इस वृद्धि से न्यूनतम मूल वेतन वाले कर्मचारियों का कुल वेतन 28,440 हो जाएगा। एक अन्य उदाहरण में, ?60,000 मूल वेतन वाले कर्मचारी को अब छ्व के रूप में 34,800 मिलेंगे, जो मार्च में हुई वृद्धि के बाद उन्हें ?33,000 का भुगतान किया जा रहा था।

GST 2.0 को लेकर मचा हंगामा! आखिर सस्ता क्यों नहीं मिल रहा साबून, तेल-शैम्पू; कंपनी या डिस्ट्रीब्यूटर कौन कर रहा गड़बड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में GST 2.0 लागू होने के बाद सरकार की मंशा थी कि आम उपभोक्ताओं को रोजमर्रा की चीजों पर टैक्स में राहत मिले और कीमतें घटें। लेकिन अब FMCG सेक्टर में ये राहत जमीन पर दिख नहीं रही है। इसके उलट, कंपनियों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के बीच 'तू-तू, मैं-मैं' शुरू हो गई है। कुछ कंपनियां कह रही हैं कि डिस्ट्रीब्यूटर्स ने नई दरों को ठीक से लागू नहीं किया, वहीं डिस्ट्रीब्यूटर्स का आरोप है कि कंपनियों ने ही चुपचाप कुछ प्रोडक्ट्स की बेस प्राइस (मूल्य) बढ़ा दी, जिससे त्नस्ञ्ज कटौती का फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुंच पाया।

सबसे ज्यादा गड़बड़ी छोटे पैक में- इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक, ?20 से कम के पैक में सबसे ज्यादा गड़बड़ियां सामने आई हैं। ये वही प्रोडक्ट्स हैं जो गांवों और छोटे कस्बों में ज्यादा बिकते हैं।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

नरसिंहपुर के कैलाश धाम आश्रम में लूट, संत तेजगिरी मौनी महाराज पर जानलेवा हमला

नरसिंहपुर। गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र के सहजपुरा स्थित कैलाश धाम आश्रम में 3 अक्टूबर 2025, शुक्रवार की रात लगभग 11 बजे लूट और सनसनीखेज मारपीट की वारदात हुई। संत तेजगिरी मौनी महाराज और उनके साथ दानपेटी की गिनती कर रहे पांच-छह ग्रामीणों को मुंह पर गमछा बांधे बदमाशों ने लाठी और राड से बुरी तरह पीटा और दानपेटी में रखा सारा पैसा लूटकर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात लगभग 11 बजे मौनी महाराज कुछ ग्रामीणों के साथ मिलकर आश्रम परिसर में दानपेटी के पैसों की गिनती कर रहे थे। उसी समय आधा दर्जन से अधिक अज्ञात बदमाश आश्रम में घुस आए। बदमाशों ने आते ही मौनी महाराज सहित अन्य लोगों के साथ जबरदस्त मारपीट की और उन्हें धमकाया। मारपीट के बाद वे जबरन दानपेटी में रखी नकदी लूटकर मौके से भाग निकले। इस हमले में घायल हुए संत तेजगिरी महाराज का इलाज वर्तमान में जिला अस्पताल नरसिंहपुर में जारी है।

आश्रम में लूट की दूसरी वारदात

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कैलाश धाम आश्रम में लूटपाट की यह दूसरी बड़ी घटना है। उन्होंने पिछली वारदात का जिक्र करते हुए बताया कि पूर्व में भी अज्ञात बदमाशों ने मौनी महाराज से सोने-चांदी के जेवर सहित लगभग पांच हजार रुपये नकद छीन लिए थे। एक ही धार्मिक स्थल पर बार-बार ऐसी घटनाएं होने से क्षेत्र की कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

एसपी कार्यालय पहुंचकर ग्रामीणों ने की सख्त कार्रवाई की मांग इस गंभीर वारदात के बाद, पीड़ित मौनी महाराज और आक्रोशित क्षेत्रीय ग्रामीण जनों ने तत्काल एसपी कार्यालय पहुंचकर पुलिस को घटना की लिखित शिकायत दी है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से दोषियों की जल्द से जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने, उनके खिलाफ उचित तथा कड़ी कार्रवाई करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

1040 किलो मावा जब्त, लाखों में बताई जा रही है कीमत

ग्वालियर। सिरोल तिराहा पर दो ऑटो में लदा 1040 किलोग्राम मावा जब्त किया गया है। प्रारंभिक जांच में मावे में अन्य फैट की मिलावट पाई गई है, जिसके बाद 26 डलियों में रखे कुल 2 लाख 58 हजार 250 रुपये कीमत के मावे को जब्त कर लिया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग और सिरोल थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मावा पकड़ा गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई-टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी बृजेश कुमार शिरोमणि, गोविन्द नारायण सरगैयां, सतीश धाकड़, सतीश कुमार शर्मा और थाना प्रभारी सिरोल गोविन्द वल्लभ वागिल शामिल रहे। मुखबिर की सूचना पर एमपी 07 आरए 2811 और एमपी 07 आरए 0668 नंबर के दो ऑटो को रोका गया, जिनमें कुल 26 डलियों में मावा लदा हुआ था। पूछताछ में चालकों जितेन्द्र रजक (त्यागी नगर मुरार) और रवि कुशवाहा (मालनपुर) ने बताया कि यह मावा रवि सिंह निवासी ग्राम किटेहना, तहसील मौ जिला भिण्ड का है, जिसे जय मां रतनगढ़ डेयरी, भिण्ड से भेजा गया था। इससे पहले बुधवार को मौ से भेजा गया 558 किलो मावा जब्त किया जा चुका है। चलित लैब से हुई जांच, मिलावट का संदेह मौके पर मौजूद चलित खाद्य प्रयोगशाला के केमिस्ट पुष्पेन्द्र सिंह ने मावे की प्राथमिक जांच की, जिसमें अन्य फैट की मौजूदगी पाई गई। इससे मावा मिलावटी होने का संदेह होने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी बृजेश शिरोमणि और सतीश शर्मा ने सात नमूने लिए। जिनको जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा जाएगा। रिपोर्ट के बाद होगी सख्त कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि मावे की अंतिम जांच रिपोर्ट भोपाल से आने के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। दीपावली के पहले नकली और मिलावटी मिठाई बनाने वालों पर प्रशासन कड़ा शिकंजा कसने के मूड में है।

सतना में लगातार ठगी की वारदातें, महिला को सम्मोहित कर लूट लिए गहने

सतना। कोलगवा थाना क्षेत्र अंतर्गत पार्क होटल के पास रविवार सुबह एक वृद्ध महिला से गहनों की ठगी की वारदात सामने आई है। यह घटना ठीक एक दिन पहले हुई ऐसी ही वारदात की पुनरावृत्ति मानी जा रही है, जिससे जिले में सनसनी फैल गई है।

महिला को सम्मोहित कर लिए गहने जानकारी के अनुसार, घनश्याम विहार कॉलोनी निवासी 63 वर्षीय आशा जैन पति चंपालाल जैन सुबह लगभग 7:30 बजे मंदिर दर्शन के लिए जा रही थीं। इसी दौरान पार्क होटल के पास अचानक दो युवक उनके पास पहुंचे और बातचीत करने लगे। बातचीत के दौरान महिला को सम्मोहित कर उन्होंने सोने की चैन, दो अंगूठियां और कान के झुमके उतरवा लिए और मौके से फरार हो गए। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद महिला की स्थिति अभी भी असामान्य बताई जा रही है और वे बयान देने की स्थिति में नहीं हैं, जिसके चलते पुलिस ने अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। हालांकि, पूरा घटनाक्रम स्मार्ट सिटी के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया है। फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि महिला स्वयं अपने गहने उतारकर युवकों को सौंप रही हैं और उसके बाद दोनों आरोपी वहां से निकल जाते हैं।

कांस्टेबल बनने को एमबीए-इंजीनियरिंग वाले भी कतार में, 7500 पदों पर होगी भर्ती

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक भर्ती के लिए इस बार एमबीए, इंजीनियरिंग पास युवाओं ने भी आवेदन किया है। इसके अलावा कई पीजी पास अभ्यर्थी भी शामिल हैं। एमपी कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की ओर से मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक भर्ती-2025 परीक्षा के लिए आवेदन करने की तारीख बढ़ा दी गई है। अब छह अक्टूबर तक आवेदन होंगे। अभी तक 29 सितंबर तक अंतिम तारीख थी। अब तक करीब नौ लाख आवेदन हो चुके हैं। पुलिस विभाग में 7,500 पदों के लिए परीक्षा आयोजित होगी।

करीब 10 लाख आवेदन आने की संभावना

अधिकारियों का मानना है कि छह अक्टूबर तक करीब 10 लाख आवेदन आने की संभावना है। इसमें पीजी, एमबीए और कई इंजीनियरिंग पास युवा भी आरक्षक बनने के लिए आवेदन किए हैं। खासतौर पर ग्रामीण और दूरस्थ जिलों के युवाओं ने आधिक आवेदन किया है। अधिकारी का मानना है कि आवेदन की तारीख बढ़ाए जाने से करीब एक लाख आवेदन और आएंगे। अभ्यर्थी छह अक्टूबर तक आवेदन करेंगे और आठ अक्टूबर तक आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। वहीं अभी ईएसबी की ओर से जारी आदेश में 30 अक्टूबर से परीक्षा शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन अब आवेदन की तारीख बढ़ाने के कारण इसकी परीक्षा नवंबर में आयोजित होने की संभावना है।

दो पाली में होगी परीक्षा

ईएसबी की ओर से जारी दिशा-निर्देश के मुताबिक आरक्षक भर्ती परीक्षा दो पाली में आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा 30 अक्टूबर से आयोजित करने के निर्देश जारी है। इसमें प्रथम पाली 9.30 बजे से 11.30 बजे तक होंगी। इसके लिए अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग करने समय 7.30 बजे से 8.30 बजे तक है। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा का समय 2.30 बजे से 4.30 बजे तक है। इनका रिपोर्टिंग का समय 12.30 बजे से 2.30 बजे तक है।11 जिलों में होगी परीक्षा

यह परीक्षा ऑनलाइन होगी। इसके लिए प्रदेश के 11 जिलों में केंद्र बनाए जाएंगे। इसमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रीवा, रतलाम, सागर, सतना, सीधी, उज्जैन शामिल होगा।

जबलपुर दशहरा हादसा-चल समारोह में टेंट गिरने से महिला की मौत, 15 से ज्यादा लोग घायल

जबलपुर। शहर के उपनगरीय क्षेत्र गढा के दशहरा चल समारोह के दौरान अप्रिय दुर्घटना हो गई। चल समारोह के स्वागत के लिए बनाए गए एक मंच का टेंट टूट गया, जिसकी चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई।

शुक्रवार को रात को क्षेत्र में स्थापित की गई देवी प्रतिमाओं के विसर्जन से पूर्व चल समारोह निकला। इस दौरान चल समारोह के स्वागत के लिए सड़क पर जगह-जगह मंच बनाए गए थे और टेंट लगाए गए थे। इसी दौरान गुलाआ चौक के पास मंच में लगाया गया ट्रेंस (लोहे के स्ट्रक्चर) गिर गया। तब पांच के आसपास बड़ी संख्या में लोग देवी प्रतिमा के दर्शन के लिए खड़े थे।टूटा हुआ ट्रेंस भीड़ पर जाकर गिरा, जिसकी चपेट में कुछ लोग आ गए। वहीं, ट्रेस को गिरता हुआ देखकर लोग बचने के लिए इधर-उधर भागने लगे, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। अफरैद आफरी के बीच 15 से अधिक लोग घायल हो गए। दुर्घटना में श्वेता वर्मा एवं उनके पुत्र शौर्य वर्मा को गंभीर चोट लगी। दोनों को तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उपचार के दौरान शनिवार को सुबह महिला की मौत हो गई। हादसे के लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

इंदौर पुलिस राहत कोष के लिए जगतगुरू ने की 1 करोड़ देने की घोषणा

विश्व के सबसे बड़े पंडाल का बना वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड

इंदौर। लाखों भक्तों और अनुयायियों की उपस्थित में चला 11 दिवसीय भव्य और अद्भुत 'नवरात्रि महामहोत्सव' गुरुवार की रात ऐतिहासिक समापन का साक्षी बना। जगतगुरू ने मंच से हर उस एक सेवादार का सम्मान किया, जो लगातार सुबह से देर रात तक आयोजन स्थल पर निस्वार्थ सेवा देने के लिए डटे रहे। मंच से ही इंदौर पुलिस राहत कोष में 1 करोड़ देने की घोषणा भी जगतगुरू ने पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में की।

कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने गुरुवार की रात देवी भागवत कथा के दौरान जोन-1 के डीसीपी कृष्ण लालचंदानी, एडि डीसीपी आलोक शर्मा, एसीपी निधि सक्सेना, यातायात एसीपी सुप्रिया चौधरी, थाना प्रभारी राजेंद्र नगर की मौजूदगी में मंच से घोषणा की कि इंदौर पुलिस राहत कोष में वे 1 करोड़ आगामी 5 मार्च को प्रदान करेंगे और आगे भी वे इंदौर पुलिस के लिए सहायता करते रहेंगे। इसी के साथ इस टीम का सम्मान किया गया और सिद्ध स्वर्ण लेपित कलश भी भेंट किए गए। विदेश से आए कुछ अनुयायियों को भी जगतगुरू ने स्वर्ण लेपित कलश अपने हाथों से दिए। इस दौरान जगतगुरू ने इंदौर पुलिस से मिले सहयोग की प्रशंसा भी की।

बना वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड - गुरुवार की रात इंदौर की धरती पर 25 एकड़ में बने इस विशाल पंडाल को विश्व के सबसे बड़े विशाल पंडाल होने का खिताब मिला है। इस पंडाल को वर्ल्ड बुक का रिकॉर्ड ने शामिल किया है। गुरुवार की रात इंदौर सांसद शंकर लालवानी, राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी, विधायक मधु वर्मा, विधायक उषा ठाकुर की उपस्थिति में इसकी घोषणा वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड से आई टीम ने सर्टिफिकेट और मेडल के साथ की। उन्होंने कहा कि इंदौर की इस पावन धरती पर विश्व का सबसे बड़ा पंडाल निर्मित किया गया है।

विदेश से आए भक्त ने लिया अभिषेक लाभ - गुरुवार को 1 करोड़ कुमकुम अर्चन, 1 करोड़ मंत्र जाप और 10 लाख हवन आहुतियां पूर्ण हुईं। इन 11 दिन में 11,000 स्वर्ण-लेपित अष्टलक्ष्मी कलशों को 1 करोड़ मंत्र जाप, 1 करोड़ कुमकुम अर्चन एवं 10 लाख आहुतियों से सिद्ध किया गया। महायज्ञ में आहुतियां पूर्ण होने के बाद जगतगुरू का अभिषेक किया गया, जिसका लाभ यूएसए के शिकागो के पास से आए अशोक संघवी और उनके भांजे को मिला। जगतगुरू का हवन में रखे गए कलश के दैवीय शक्ति युक्त दिव्य जल से अभिषेक किया गया। इस दौरान भक्तों की आँखें नम हो आई और जयकारे लगे।

भक्तों के घर पधारी मां... कहीं ग्रहण किया पानी, तो कहीं जल उठा दीपक - कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने बुधवार की रात देवी भागवत कथा के दौरान अपने भक्तों और अनुयायियों के घरों में साक्षात् देवी का आगमन करवाया। देवी भागवत कथा पंडाल में बैठे भक्तों और अनुयायियों से देश-दुनिया के किसी भी कोने में बैठे उनके परिवारजनों से उनके घर स्थित मंदिर में जल, देवी भोग, दीपक और खाली बटुआ रखवाया। मां के आशीर्वाद और उनके आगमन के लिए प्रार्थना की गई। कुछ देर बाद भक्तों के परिवारजनों ने पंडाल में बैठे अपने परिवारजनों को फोन कर बताया कि कई घरों में खुशबू फैली है। कई जगह से पात्र से जल कम हुआ है। कई जगह भोग कम हुआ है, तो कहीं दीपक अपने आप जल उठा है। वहीं, खाली पर्स में भी कहीं न कहीं कोई प्रसाद देवी के आशीर्वाद स्वरुप रखा मिला।

सोयाबीन भावांतर योजना के प्रति किसानों में विशेष उत्साह

इंदौर। जिले में निर्धारित 48 पंजीयन केंद्रों पर आज से किसानों का भावांतर योजना अंतर्गत पंजीयन प्रारंभ हो गया। पहले ही दिन किसानों ने उत्साहपूर्वक योजना में भागीदारी की और अब तक 1300 से ज्यादा पंजीयन हो चुके हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जिला स्तर पर गठित जिला समिति तथा अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समितियों को विशेष निर्देश दिए हैं कि किसी भी किसान को पंजीयन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। पंजीयन केंद्रों पर पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, छाया और पेयजल की सुविधा सुनिश्चित की गई है। सुव्यवस्थित प्रबंधन के चलते पहले ही दिन सभी केंद्रों पर पंजीयन सुचारू रूप से प्रारंभ हो गया। किसान अब अपनी निकटतम खरीदी-पंजीयन केंद्र पर जाकर भावांतर योजना में सोयाबीन का पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर है।

किसानों की हितेषी भावान्तर योजना में किसानों का पंजीयन हुआ प्रारंभ- अंतिम तिथि 17 अक्टूबर

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए भावान्तर योजना का पंजीयन प्रारंभ हो गया है। योजना के सुचारू क्रियान्वयन और अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से आज कलेक्टर कार्यालय में विशेष बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में सांसद श्री शंकर लालवानी, सांसद सुश्री कविता पाटीदार सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने की।

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने किसानों के हित में अपने विचार साझा किए और योजना के प्रचार-प्रसार को गाँव-गाँव तक पहुँचाने पर जोर दिया। सभी ने एक स्वर में अपील की कि किसान निर्धारित समय सीमा में पंजीयन कराकर लाभ अवश्य लें। बैठक में यह तय किया गया कि जनप्रतिनिधि स्वयं गाँव-गाँव जाकर किसानों को योजना की जानकारी देंगे, ताकि कोई भी किसान इसका लाभ लेने से वंचित न रहे।

बैठक में विधायक श्री मधु वर्मा तथा सुश्री उषा ठाकुर, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष श्री भरत सिंह पटेल, श्री श्रवण चावड़ा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री पवार नवजीवन सहित अन्य अधिकारी और जनपद अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य और अन्य जनप्रतिनिधि गण मौजूद थे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि जिले में पंजीयन की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए 48 केन्द्र बनाए गए हैं और 13 नए केन्द्र भी शीघ्र ही शुरू किए जा रहे हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसानों को कतई अनावश्यक परेशान न होना पड़े। उन्होंने अधिकारियों की अलग से बैठक भी ली। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए की सभी पंजीयन केन्द्रों पर ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे कि किसानों को किसी भी तरह की समस्या नहीं आए।

उनके लिए छाया, पानी आदि मूलभूत सुविधाओं का इंतजाम रखा जाए। योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने खाद वितरण की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि जिले में पर्याप्त खाद उपलब्ध है। किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

आदि कर्मयोगी अभियान के क्रियान्वयन में इंदौर प्रदेश में पहले स्थान पर रहा

इंदौर। आदि कर्मयोगी अभियान के क्रियान्वयन में इंदौर जिला प्रदेश में पहले स्थान पर है। जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त श्री नरेन्द्र भिड़े ने बताया कि कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री वर्मा और जिला पंचायत सीईओ द्वारा इस अभियान की वीसी के माध्यम से मॉनिटरिंग एवं तकनीकी समस्या का तत्काल समाधान किया जाता है। आदि कर्मयोगी अभियान से जुड़े आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी और आदि साथी एवं सभी लाइन विभागीय अधिकारी कर्मचारियों को प्रोत्साहित भी किया जाता है। आदि कर्मयोगी अभियान का क्रियान्वयन समय-सीमा में 2 अक्टुबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती पर आयोजित विशेष ग्राम सभा में इंदौर जिले के 56 गांवों की तैयार विलेज एक्शन प्लान और वर्क बुक अनुमोदित कर अपलोड कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर दिया गया हैं। संभागीय उपायुक्त श्री ब्रजेश पांडेय द्वारा भी आदि कर्मयोगी अभियान योजनांतर्गत समस्त विभागीय लाइन डिपार्टमेंट द्वारा हितग्राही मूलक योजना अंतर्गत किए गए कार्यों का डेटा संकलन के लिए प्रेरित करते है।

मंत्री डॉ. शाह ने मृतकों के परिजन से भेंट कर संवेदना प्रकट की

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने शुक्रवार को पन्धाना तहसील के ग्राम जामली राजगढ़ में ट्रैक्टर ट्रॉली दुर्घटना के मृतकों के परिजन के घर जाकर संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पीड़ित परिवारों के साथ है। मंत्री डॉ. शाह ने मृतकों के परिजन को हर संभव मदद प्रदान किये जाने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने दुर्घटना के घायलों के हर संभव इलाज के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने मेडिकल कॉलेज खंडवा के अधीक्षक डॉक्टर रंजीत बडोले से फोन पर बात कर दुर्घटना के घायल मरीजों की स्थिति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि आवश्यकता हो तो घायलों को उच्च स्तरीय उपचार के लिये इंदौर रेफर किया जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता अनुसार एयरश्री एंबुलेंस सुविधा की मदद भी लें। मंत्री डॉ. शाह ने इस दौरान मृतकों के परिवार की बेटी सोनू और पिंकी खरते का अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के छात्रावास में एडमिशन कराने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ट्रैक्टर ट्रॉली के पलटने से हुई दुखद दुर्घटना में शोक संतृप्त परिवारों के घर शोक संवेदना व्यक्त की

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को खंडवा जिले की पंधाना तहसील के ग्राम जामली राजगढ़ पहुंचकर शोक संतृप्त परिवारों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की। गुरुवार को अरदला तालाब में ट्रैक्टर ट्राली पलटने से हुई दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री डॉ.यादव ढांढस बंधाते हुए कहा कि दुःख की इस घड़ी में मध्यप्रदेश शासन आपके साथ है और जो भी मदद संभव व आवश्यक होगी पूरी की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को घटना के बाद मृतकों के निकटतम परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दे चुके है। इसके अलावा उन्होंने दुर्घटना में गंभीर घायलों को एक-एक लाख रुपये की राशि प्रदान करने के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता को निर्देश दिये है कि घटना की पुनरावर्ति ना हो इसके लिये घटना स्थल पर घाट का निर्माण किया जाये।

साथ ही उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में तत्काल बचाव कार्य करने वाले ग्रामीण युवाओं के साहस की सराहना करते हुए मध्यप्रदेश शासन की ओर से 26 जनवरी पर सम्मान सहित 51-51 हजार रुपये भी राशि प्रदान करने के निर्देश दिये है।

हाईलिंक सिटी;पार्श्व कल्पतरु धाम.. 50 अनुयाई कर रहे साधना, एक समय उबला अन्न कर रहे ग्रहण

इंदौर। सांसारिक जीवन में सीमित आहार हमारी दिनचर्या को सुगम और स्वस्थ बना सकता है तो आवश्यकता से ज्यादा बोलना परेशानी बढ़ता ही है कम खाना और कम बोलना सीख जाएंगे तो जीवन सुगम हो जाएगा। यह विचार पश्चिम क्षेत्र हाई लिंक सिटी स्थित पार्श्व कल्पतरु धाम पर चल रहे 9 दिवसीय ओलीजी उत्सव में पूज्य मात्र हृदय अमित गुणा श्री जी महाराज सा ने व्यक्त किए। श्री धरणीधर पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट एवं श्री संघ के अध्यक्ष पुंडरीक पालरेचा ने बताया कि नौ दिनों तक एक समय उबला हुआ आहार ग्रहण किया जा रहा है तकरीबन 50 श्वेतांबर जैन समाज जन तप साधना आराधना में लिन हैं।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत नवीन स्नान घाट मजबूती के साथ अगस्त 2027 तक पूर्ण किए जाएं

संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने उण्डासा नवीन घाट का निरीक्षण किया

उज्जैन । संभागायुक्त आशीष सिंह एवं कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जलसंसाधन विभाग के अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी से त्रिवेणी के समीप ग्राम सिकंदरी में स्थापित निर्माण कार्य प्लांट का निरीक्षण कर मोक्षदायिनी मां शिप्रा नदी के तटों पर नवीन स्नान घाट निर्माण कार्यो के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त कर संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए कि नवीन घाट मजबूती के साथ निर्माण कर अगस्त 2027 तक पूर्ण कर लिए जाएं।

संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने नवीन स्नान घाटों की सम्पूर्ण कार्य योजना की प्लानिंग (ड्राईंग) देखकर संबंधितों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि घाट निर्माण कार्य में भूमि अधिग्रहण की समस्या

आने पर तुरंत जिला प्रशासन को संज्ञान में लाया जाए ताकि समस्या का निदान हो सके। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए कि शासन के निर्देशों के नियमों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। घाटों की रैलिंग एवं टेण्डर अनुसार अच्छी गुणवत्ता के पत्थर लगाएं जाएं।

इसके बाद संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने ग्राम उण्डासा तालाब पर (उप पड़ाव स्थल) नव निर्मित घाट का निरीक्षण किया और संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ महापर्व 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मोक्षदायिनी मां शिप्रा नदी के दोनों किनारों पर शनि मंदिर से लेकर भैरवगढ़ के पास नागदा बाईपास तक कुल 29.21 किलोमीटर लम्बाई में नवीन घाट निर्माण कार्य एवं संबद्ध कार्य योजना की प्रशासकीय स्वीकृति शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा 778.91 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गयी है। शिप्रा नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं के स्नान के लिए आवश्यक जल स्तर व आवागमन बनाए रखने के लिए 3 वेंटेड कॉजवे का निर्माण प्रस्तावित है।

घाट निर्माण कार्य एवं सम्बद्ध कार्य के लिए एजेंसी फ़लोदी कंस्ट्रशन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड अधिकृत की जा चुकी है। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री मयंक परमार आदि अधिकारी उपस्थित थे।

राहुल गांधी के खिलाफ बोलने वाले टी राजा को कांग्रेस विधायक ने करवाये महाकाल दर्शन

उज्जैन। लगातार राहुल गांधी पर विवादित टिप्पणी करने वाले अपशब्द बोलकर राहुल गांधी को मंदबुध्दि तक कहने वाले भाजपा विधायक टी राजा को उज्जैन आने पर कांग्रेस विधायक महेश परमार के निजी सचिव द्वारा महाकाल के दर्शन कराये गये।

महापौर का चुनाव लड़ चुके दीपक मेहरे ने बताया कि 3 अक्टूबर को टी राजा महाकाल मंदिर आये, तो तराना विधायक महेश परमार के निजी सचिव पियूष जैन, पप्पू बोरासी ने राहुल गांधी के खिलाफ बोलने वाले टी राजा को महेश परमार के कहने पर महाकाल मंदिर में वीआईपी दर्शन करवाये। ऐसा लग रहा है भाजपा के एजेंट के रूप में लगातार भस्म आरती दर्शन कराने की जिम्मेदारी विधायक महेश परमार ने ले रखी है। अतिशीघ्र इसकी शिकायत राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को की जाएगी। दीपक मेहरे ने बताया कि महाकाल प्रशासन से बातचीत में मालूम पड़ा कि कांग्रेस द्वारा भेजे गये प्रोटोकॉल में भाजपा विधायक टी राजा को वीआईपी दर्शन करवाये गये। दीपक मेहरे ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से सवाल किया कि संगठन सृजन को पलीता लगाकर विधायक महेश परमार को नियम विरूध्द जिलाध्यक्ष क्या भाजपाईयों की सेवा के लिए बनाया गया है। ऐसा संगठन सृजन किस काम का जो संगठन सृजन की सोच रखने वाले के खिलाफ बोलने वालों की सेवा चाकरी करने में लगा हुआ है।

स्वच्छता सेवा पखवाडा समापन पर हुई पोस्टर प्रतियोगिता

उज्जैन। स्वच्छता सेवा पखवाडा के अन्तर्गत शास. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चित्रकला विभाग व्दारा पखवाडा समापन पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की।

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. प्रशांत पुराणिक के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत चित्रकला पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन चित्रकला विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ. रंजना वानखड़े यादव के नेतृत्व में किया गया। डॉ. सोनाली टोके द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

150 छात्राओं एवं स्टाफ ने उत्साह पूर्वक रक्त परीक्षण करवाया

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय उज्जैन, में स्वास्थ्य परीक्षण समिति की प्रभारी प्रो. इंदू बंसल के निर्देशन में निःशुल्क रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

यह शिविर लायंस क्लब के सेवा पखवाड़े के अंतर्गत अध्यक्ष शिव कुमार बंसल, झोन पर्सन भूषण नाइक एवं रविन्द्र पेंढारकर के संयोजन तथा अंकुर गोयल के सहयोग से सम्पन्न हुआ। शिविर में छात्राओं एवं महाविद्यालयीन परिवार के लिए हीमोग्लोबिन तथा ब्लड ग्रुप की जाँच की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि स्वागत के पश्चात हुआ।अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अजय भार्गव ने कहा कि शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी कभी-कभी घातक सिद्ध हो सकती है, इसलिए समय-समय पर रक्त परीक्षण आवश्यक है। उन्होंने संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व पर भी बल दिया। इस अवसर पर डॉ. महेंद्र जैन ने रक्त परीक्षण को रोगों की समय पर पहचान का सबसे सरल उपाय बताया। महाविद्यालय की करीब 150 छात्राओं एवं समस्त स्टाफ ने उत्साह पूर्वक रक्त परीक्षण करवाया।

मध्यप्रदेश बाह्य स्त्रोत कर्मचारी संगठन का दशहरा मिलन समारोह संपन्न

उज्जैन। मध्यप्रदेश बाह्य स्त्रोत कर्मचारी संगठन द्वारा दशहरा मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

अध्यक्षता शिव नारायण राजपूत प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश बाह्य स्त्रोत कर्मचारी संगठन, राहुल मालवीय प्रदेश महा मंत्री ने की। मुख्य अतिथि कुलदीप सिंह गुर्जर महामंत्री भारतीय मजदूर संघ, सुलतान सिंह शेखावत पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन भोपाल रहे। विशिष्ट अतिथि सुशील कुमार पांडे, महामंत्री, बिजली कर्मचारी महासंघ, गोपाल जमालिया, अध्यक्ष बिजली कर्मचारी महासंघ पश्चिम क्षेत्र, आनंद शिंदे, कार्यकारी अध्यक्ष पश्चिम क्षेत्र बिजली कर्मचारी महासंघ, सतीश शर्मा, विभाग प्रमुख भारतीय मजदूर संघ उज्जैन, किशन सिंह शेखावत, जिला अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ उज्जैन रहे। 4 अक्टूबर शनिवार दोपहर 3 बजे से आशीर्वाद गार्डन, मंगलनाथ रोड पर आयोजित समारोह में योगेन्द्र पिपले देवास, मनीष सेन बड़वानी प्रदेश उपाध्यक्ष, दिनेश पाटीदार झाबुआ, प्रदेश उपाध्यक्ष सीताराम मिश्रा, जनरेश कंपनी अध्यक्ष, सतीश साहू पूर्व क्षेत्र कंपनी अध्यक्ष, करण चौहान पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष, शेख शारिक, उज्जैन पंकज डूंगरडिया, जिला अध्यक्ष उज्जैन प्रशांत राव, जिला अध्यक्ष मंदसौर, कुलदीप राजपूत, जिला अध्यक्ष देवास, हरिनारायण चौहान जिला अध्यक्ष आगर मालवा, अनिल ग्वाले जिला अध्यक्ष रतलाम, दिलीप सिंह तोमर जिला अध्यक्ष इंदौर, अनिल प्रजापति जिला अध्यक्ष खरगौन निखिलेश जिला अध्यक्ष, अलीराजपुर, गणेश पाटीदार झाबुआ जिला अध्यक्ष आदि मौजूद रहे। दशहरा मिलन समारोह में आउटसोर्स कर्मचारियों की मांगों पर चर्चा की गई। आने वाले समय में विद्युत के क्षेत्र में संविदा और आउटसोर्स के भविष्य को सुरक्षित करने हेतु नियमित कर्मचारी के तहत संविलियन करने की प्रक्रिया को प्रारंभ की जाएगी।

सुरछैया सृजन सम्मान आज

उज्जैन। नृत्यांगना डॉ. रागिनी मख्खर को अदिति सुरछैया संस्था, उज्जैन एवं संस्कृति संचालनालय भोपाल (म.प्र.) के सहयोग से दि. 05 अक्टूबर, रविवार-2025, शाम 6 बजे कालिदास संस्कृत अकादमी के अभिरंग नाट्यगृह, उज्जैन में सुरछैया-सृजन-सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

सांगीतिक प्रस्तुति के अन्तर्गत डॉ. रागिनी मख्खर एवं श्री गौतम सिंह राज की युगल नृत्यांजलि प्रस्तुति की जाएगी। मुख्य अतिथि डॉ. गोविंद गन्धे-निदेशक कालिदास संस्कृत अकादमी एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. अर्चना परमार वरिष्ठ गायिका के रूप में सुशोभित होंगे। संस्था अध्यक्ष अदिति कड़ोतिया ने नगर के संगीतज्ञ, विद्वान, सुधिजन से अनुरोध किया है कि कार्यक्रम में पधारकर कार्यक्रम को गौरवान्वित करें।

खंडेलवाल मित्र परिषद, लेडीज विंग का दशहरा मिलन, शरदोत्सव आज

उज्जैन। खंडेलवाल मित्र परिषद एवं लेडीज विंग द्वारा आज रविवार शाम को शरदोत्सव एवं दशहरा मिलन का आयोजन मनोरमा गार्डन कोयला फाटक पर किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में मां अम्बे की आराधना एवं समाजजनो द्वारा सामूहिक गरबा का भी आयोजन किया जावेगा। इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण लक्की ड्रॉ एवं प्रश्न मंच का आयोजन है। जिनमें विजेताओं को खंडेलवाल आनंद परिषद की और से पुरस्कृत किया जावेगा। इस कार्यक्रम में उज्जैन के समस्त खंडेलवाल परिवार गरबा परिवेश में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील धर्मेंद्र गुप्ता, सत्यनारायण नाटाणी, गोपाल पाटोदिया, महेश बडेरा, आनंद बडेरा, सिद्धेश्वर दास, अजय तंबोलिया, कमेश नाटाणी, अनिल गुप्ता (मेडिकल), अशोक माचीवाल आदि।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com